Est

Chapter 1

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

וַיְהִי	בִּימֵי	אֲחַשְׁוֵרוֹשׁ	הוּא	אֲחַשְׁוֵרוֹשׁ	הַמֹּלֵךְ	מֵהֹדּוּ	וְעַד־	כּוּשׁ
और-ऐसा-हुआ	उन-दिनों-में	अहश्वेरोश-के	वह	वही-अहश्वेरोश	जो-राज्य-करता-था	भारत-से	और-तक	कूश
H1961	H3117	H0325	H1931	H0325		H1912	H5704	
שֶׁבַע	וְעֶשְׂרִים	וּמֵאָה	מְדִינָה׃					
सात	और-बीस	और-सौ	प्रान्तों-पर					
H7651	H6242	H3967	H4082					

यह उन दिनों की बात है जब क्षयर्ष नाम का राजा राज्य किया करता था। भारत से लेकर कूश के एक सौ सत्ताईस प्रांतों पर उसका राज्य था।

2

בַּיָּמִים	הָהֵם	כְּשֶׁבֶת	הַמֶּלֶךְ	אֲחַשְׁוֵרוֹשׁ	עַל	כִּסֵּא	מַלְכוּתוֹ	אֲשֶׁר	בְּשׁוּשַׁן
उन-दिनों-में	उन	जब-बैठा-था	राजा	अहश्वेरोश	पर	राजगद्दी	अपने-राज्य-की	जो	शूशन-में-थी
H3117	H1992	H3427	H4428	H0325		H3678	H4438		H7800
הַבִּירָה׃									
राजधानी									
H1002									

महाराजा क्षयर्ष, शूशन नाम की नगरी, जो राजधानी हुआ करती थी, में अपने सिंहासन से शासन चलाया करता था।

3

בִּשְׁנַת	שָׁלוֹשׁ	לְמָלְכוֹ	עָשָׂה	מִשְׁתֶּה	לְכָל־	שָׂרָיו	וַעֲבָדָיו	חֵיל
उस-वर्ष-में	तीसरे	अपने-राज्य-के	उसने-किया	भोज	अपने-सब	हाकिमों	और-सेवकों-के-लिए	सैन्य-शक्ति
H8141	H7969			H4960	H3605	H8269	H5650	H2428
פָּרַס	וּמָדַי	הַפַּרְתְּמִים	וְשָׂרֵי	הַמְּדִינוֹת	לְפָנָיו׃			
फ़ारस	और-मादी	कुलीन	और-हाकिम	प्रान्तों-के	उसके-सामने-थे			
H6539	H4074	H6579	H8269	H4082	H6440			

अपने शासन के तीसरे वर्ष क्षयर्ष ने अपने अधिकारियों और मुखियाओं को एक भोज दिया। फारस और मादै के सेना नायक और दूसरे महत्वपूर्ण मुखिया उस भोज में मौजूद थे।

4

בְּהַרְאֹתוֹ	אֶת־	עֹשֶׁר	כְּבוֹד	מַלְכוּתוֹ	וְאֶת־	יְקָר	תִּפְאֶרֶת	גְּדוּלָּתוֹ
जब-उसने-दिखाया	को	धन	अपने-महिमामय-का	राज्य	और	शोभा	अपनी-उत्कृष्ट-की	महानता
H7200	H0853	H6239	H3519	H4438	H0853	H3366	H8597	H1420
יָמִים	רַבִּים	שְׁמוֹנִים	וּמְאַת	יוֹם׃				
दिनों	बहुत-से	अस्सी	और-सौ	दिन-तक				
H3117		H8084	H3967	H3117				

यह भोज एक सौ अस्सी दिन तक चला। इस समय के दौरान महाराजा क्षयर्ष अपने राज्य के विपुल वैभव का लगातार प्रदर्शन करता रहा। वह हर किसी को अपने महल की सम्पत्ति और उसका भव्य सौन्दर्य दिखाता रहा।

5

וּבִמְלוֹאת	הַיָּמִים	הָאֵלֶּה	עָשָׂה	הַמֶּלֶךְ	לְכָל־	הָעָם	הַנִּמְצְאִים	בְּשׁוּשַׁן	
और-जब-पूरे-हुए	दिन	ये	किया	राजा-ने	सब	लोगों-के-लिए	जो-उपस्थित-थे	शूशन	
H4390	H3117	H0428		H4428	H3605		H4672	H7800	
הַבִּירָה	לְמִגָּדוֹל	וְעַד־	קָטָן	מִשְׁתֶּה	שִׁבְעַת	יָמִים	בַּחֲצַר	גִּנַּת	בִּיתַן
राजधानी-में	बड़े-से	और-तक	छोटे	भोज	सात	दिनों-तक	आँगन-में	बाग़-के	महल
H1002		H5704		H4960	H7651	H3117		H1594	H1055
הַמֶּלֶךְ׃									
राजा-के									
H4428									

उसके बाद जब एक सौ अस्सी दिन का यह भोज समाप्त हुआ तो, महाराजा क्षयर्ष ने एक और भोज दिया जो सात दिन तक चला। इस भोज का आयोजन महल के भीतरी बगीचे में किया गया था। भोज में शूशन राजधानी नगरी के सभी लोगों को बुलाया गया था। इनमें महत्वपूर्ण से महत्वपूर्ण और जिनका कोई भी महत्व नहीं था, ऐसे साधारण लोग भी बुलाये गये थे।

כֶּסֶף	גְּלִילֵי	עַל־	וְאַרְגָּמָן	בּוּץ	בְּחַבְלֵי־	אָחוּז	וּתְכֵלֶת	כַּרְפַּס	וְחוּר	6
चाँदी-के	छल्लों	पर	और-बैंगनी	महीन-सन-के	डोरियों-से	बँधे-हुए	और-नीले-परदे	मलमल	सफ़ेद	
H3701			H0713	H0948		H0270	H8504	H3768	H2353	

וְדַר	וְשֵׁשׁ	בַּהַט־	רִצְפַּת	עַל	וְכֶסֶף	זָהָב	וּמִטּוֹת	שֵׁשׁ	וְעַמּוּדֵי
और-सफ़ेद	और-फ़ीरोज़े	संग-मरमर-के	फ़र्श	पर	और-चाँदी	सोने-के	और-पलंग	संगमरमर-के	और-खम्भों
H1858		H0923			H3701	H2091	H4296		H5982

וְסֹחָרֶת׃	
और-काले-पत्थर-के-थे	
H5508	

उसके भीतरी बगीचे मे॑ सफेद और नीले रंग के कपड़े, कमरे के चारों ओर लगे थे। उन कपड़ों को सफेद सूत और बैंगनी रंग की डोरियों से चाँदी के छल्लो और संगमरमर के खम्भों पर टाँका गया था। वहाँ सोने और चाँदी की चौकियाँ थीं। ये चौकियाँ लाल और सफेद रंग की ऐसी स्फटिक की भूमितल मे॑ जड़ी हुई थीं जिसमे॑ संगमरमर, प्रकेलास, सीप और दूसरे मूल्यवान पत्थर जड़े थे।

רָב	מַלְכוּת	וְיֵין	שׁוֹנִים	מִכֵּלִים	וְכֵלִים	זָהָב	בִּכְלֵי	וְהַשְׁקוֹת		7
बहुतायत-मे॑	राजकीय	और-दाखमधु-के-साथ	—	—	—	—	—	—		
	H4438	H3196		H3627	H3627	H2091	H3627	H8248		

כְּיַד הַמֶּלֶךְ׃	
राजा-की उदारता-के-अनुसार	
H4428 H3027	

सोने के प्यालों मे॑ दाखमधु परोसा गया था। हर प्याला एक दूसरे से अलग था। वहाँ राजा का दाखमधु पर्याप्त मात्रा मे॑ था। कारण यह था कि वह राजा बहुत उदार था।

כָּל־	עַל	הַמֶּלֶךְ	יִסַּד	וְכֵן	כִּי־	אֹנֶס	אֵין	כַּדָּת	וְהַשְׁתִּיָּה	8
सब	को	राजा-ने	आदेश-दिया-था	ऐसा	क्योंकि	जबरदस्ती	नहीं-था	नियम-के-अनुसार	और-पीना	
H3605		H4428	H3245			H0597	H0369	H1881	H8360	

וְאִישׁ׃	אִישׁ־	כִּרְצוֹן	לַעֲשׂוֹת	בֵּיתוֹ	רַב
व्यक्ति-की	प्रत्येक	इच्छा-के-अनुसार	कि-वे-करे॑	अपने-घर-के	अधिकारियों-को
H0376	H0376	H7522			

महाराजा ने अपने सेवकों को आज्ञा दे रखी थी कि हर किसी मेहमान को, जितना दाखमधु वह चाहे, उतनी दिया जाये और दाखमधु परोसने वालों ने राजा के आदेश का पालन किया था।

לַמֶּלֶךְ	אֲשֶׁר	הַמַּלְכוּת	בֵּית	נָשִׁים	מִשְׁתֵּה	עָשְׂתָה	הַמַּלְכָּה	וַשְׁתִּי	גַּם	9
राजा-की-थी	जो	राजकीय	महल-मे॑	स्त्रियों-के-लिए	भोज	किया	रानी-ने-भी	वश्ती	और	
H4428		H4438		H0802	H4960		H4436	H2060	H1571	

ס	אֲחַשְׁוֵרוֹשׁ׃
स	अहश्वेरोश
	H0325

राजा के महल मे॑ ही महारानी वशती ने भी स्त्रियों को एक भोज दिया।

חַרְבוֹנָא	בִּזְתָא	לְמְהוּמָן	אָמַר	בְּיַיִן	הַמֶּלֶךְ	לֵב־	כְּטוֹב	הַשְּׁבִיעִי	בְּיוֹם	10
हर्बोना	बिज़्ज़ता	महूमान	उसने-आज्ञा-दी	दाखमधु-से	राजा-का	हृदय	जब-प्रसन्न-था	सातवे॑	उस-दिन	
H2726	H0968	H4104	H0559	H3196	H4428			H7637	H3117	

הַמֶּלֶךְ	פְּנֵי	אֶת־	הַמְשָׁרְתִים	הַסָּרִיסִים	שִׁבְעַת	וְכַרְכַּס	זֵתַר	וַאֲבַגְתָא	בִּגְתָא
राजा	उपस्थिति-मे॑	मे॑	जो-सेवा-करते-थे	खोजों-को	सात	और-कर्कस	ज़ेतर	और-अबग्ता	बिग्ता
H4428	H6440	H0854	H8334	H5631	H7651	H3752	H2242	H0005	H0903

אֲחַשְׁוֵרוֹשׁ׃	
अहश्वेरोश-की	
H0325	

भोज के सातवे॑ दिन महाराजा क्षयर्ष दाखमधु पीने के कारण मग्न था। उसने उन सात खोजों को आज्ञा दी जो उसकी सेवा किया करते थे। इन खोजों के नाम थे: महूमान, बिजता, हबौना, बिगता, अबगता, जेतेर और कर्कस। उन सातों खोजों को महाराजा ने आज्ञा दी कि वे राजमुकुट धारण किये हुए महारानी वशती को उसके पास ले आये॑। उसे इसलिए आना था कि वह मुखियाओं और महत्वपूर्ण लोगों को अपनी सुन्दरता दिखा सके। वह सचमुच बहुत सुन्दर थी।

11

Hebrew	Hindi	Strong's
לְהָבִיא	लाने-के-लिए	H0935
אֶת־	को	H0853
וַשְׁתִּי	वशती	H2060
הַמַּלְכָּה	रानी-को	H4436
לִפְנֵי	के-सामने	H6440
הַמֶּלֶךְ	राजा	H4428
בְּכֶתֶר	अपना-मुकुट-पहनकर	H3804
מַלְכוּת	राजकीय	H4438
לְהַרְאוֹת	दिखाने-के-लिए	H7200
הָעַמִּים	लोगों-को	
וְהַשָּׂרִים	और-हाकिमों-को	H8269
אֶת־	को	H0853
יָפְיָהּ	उसकी-सुन्दरता	H3308
כִּי־	क्योंकि	
טוֹבַת	सुन्दर	
מַרְאֶה	देखने-में	H4758
הִיא׃	वह-थी	H1931

भोज के सातवें दिन महाराजा क्षयर्ष दाखमधु पीने के कारण मग्न था। उसने उन सात खोजों को आज्ञा दी जो उसकी सेवा किया करते थे। इन खोजों के नाम थे: महूमान, बिजता, हबौना, बिगता, अबगता, जेतेर और कर्कस। उन सातों खोजों को महाराजा ने आज्ञा दी कि वे राजमुकुट धारण किये हुए महारानी वशती को उसके पास ले आयें। उसे इसलिए आना था कि वह मुखियाओं और महत्वपूर्ण लोगों को अपनी सुन्दरता दिखा सके। वह सचमुच बहुत सुन्दर थी।

12

Hebrew	Hindi	Strong's
וַתְּמָאֵן	परन्तु-इनकार-किया	H3985
הַמַּלְכָּה	रानी	H4436
וַשְׁתִּי	वशती-ने	H2060
לָבוֹא	आने	H0935
בִּדְבַר	आज्ञा-से	H1697
הַמֶּלֶךְ	राजा-की	H4428
אֲשֶׁר	जो	
בְּיַד	द्वारा-दी-गई-थी	H3027
הַסָּרִיסִים	खोजों-के	H5631
וַיִּקְצֹף	इसलिए-क्रोधित-हुआ	H7107
הַמֶּלֶךְ	राजा	H4428
מְאֹד	बहुत	H3966
וַחֲמָתוֹ	और-उसका-क्रोध	H2534
בָּעֲרָה	जल-उठा	
בוֹ׃	उसके-भीतर	

किन्तु उन सेवकों ने जब राजा के आदेश की बात महारानी वशती से कही तो उसने वहाँ जाने से मना कर दिया। इस पर वह राजा बहुत क्रोधित हुआ।

13

Hebrew	Hindi	Strong's
וַיֹּאמֶר	और-कहा	H0559
הַמֶּלֶךְ	राजा-ने	H4428
לַחֲכָמִים	बुद्धिमानों-से	H2450
יֹדְעֵי	जो-जानते-थे	H3045
הָעִתִּים	समयों-को	H6256
כִּי־	क्योंकि	
כֵּן	यह-थी	
דְּבַר	रीति	H1697
הַמֶּלֶךְ	राजा-की	H4428
לִפְנֵי	उन-सबके-प्रति	H6440
כָּל־	सब	H3605
יֹדְעֵי	जो-जानते-थे	H3045
דָּת	व्यवस्था	H1881
וָדִין׃	और-न्याय	H1779

यह एक परम्परा थी कि राजा को नियमों और दण्ड के बारे में विद्वानों की सलाह लेनी होती थी। सो महाराजा क्षयर्ष ने नियम को समझने वाले बुद्धिमान पुरुषों से बातचीत की। ये ज्ञानी पुरुष महाराजा के बहुत निकट थे। इनके नाम थे: कर्शना, शेतार, अदमाता, तर्शीश, मेरेस, मर्सना और ममूकान। ये सातों फारस और मादै के बहुत महत्वपूर्ण अधिकारी हुआ करते थे। इनके पास राजा से मिलने का विशेष अधिकार था। राज्य में ये अत्यन्त उच्च अधिकारी थे।

14

Hebrew	Hindi	Strong's
וְהַקָּרֹב	और-जो-सबसे-निकट-थे	H7138
אֵלָיו	उसके	H0413
כַּרְשְׁנָא	कर्शना	H3771
שֵׁתָר	शेतार	H8369
אַדְמָתָא	अद्माता	H0133
תַרְשִׁישׁ	तर्शीश	H8659
מֶרֶס	मेरेस	H4825
מַרְסְנָא	मर्सना	H4826
מְמוּכָן	और-ममूकान	H4462
שִׁבְעַת	सात	H7651
שָׂרֵי	हाकिम	H8269
פָּרַס	फ़ारस	H6539
וּמָדַי	और-मादी-के	H4074
רֹאֵי	जिनकी-पहुँच-थी	H7200
פְּנֵי	उपस्थिति-में	H6440
הַמֶּלֶךְ	राजा-की	H4428
הַיֹּשְׁבִים	और-जिनका-पद-था	H3427
רִאשֹׁנָה	सबसे-उच्चा	H7223
בַּמַּלְכוּת׃	राज्य-में	H4438

यह एक परम्परा थी कि राजा को नियमों और दण्ड के बारे में विद्वानों की सलाह लेनी होती थी। सो महाराजा क्षयर्ष ने नियम को समझने वाले बुद्धिमान पुरुषों से बातचीत की। ये ज्ञानी पुरुष महाराजा के बहुत निकट थे। इनके नाम थे: कर्शना, शेतार, अदमाता, तर्शीश, मेरेस, मर्सना और ममूकान। ये सातों फारस और मादै के बहुत महत्वपूर्ण अधिकारी हुआ करते थे। इनके पास राजा से मिलने का विशेष अधिकार था। राज्य में ये अत्यन्त उच्च अधिकारी थे।

15

Hebrew	Hindi	Strong's
כְּדָת	व्यवस्था-के-अनुसार	H1881
מַה־	क्या	H4100
לַּעֲשׂוֹת	किया-जाए	
בַּמַּלְכָּה	रानी-के-साथ	H4436
וַשְׁתִּי	वशती	H2060
עַל	इसलिए-कि	
אֲשֶׁר	जो	
לֹא־	नहीं	H3808
עָשְׂתָה	उसने-माना	
אֶת־	को	H0853
מַאֲמַר	आज्ञा	H3982
הַמֶּלֶךְ	राजा	H4428
אֲחַשְׁוֵרוֹשׁ	अहश्वेरोश-की	H0325
בְּיַד	द्वारा-दी-गई-थी	H3027
הַסָּרִיסִים׃	खोजों-के	H5631
ס	स	

राजा ने उन लोगों से पूछा, “महारानी वशती के साथ क्या किया जाये इस बारे में नियम क्या कहता है? उसने महाराजा क्षयर्ष की उस आज्ञा को मानने से मना कर दिया जिसे खोजे उसके पास ले गये थे।”

16

Hebrew	Hindi	Strong
וַיֹּ֣אמֶר	और-उत्तर-दिया	H0559
[מומכן]	ममूकान-ने	H4462
(מְמוּכָ֗ן)	ममूकान-ने	H4462
לִפְנֵ֤י	के-सामने	H6440
הַמֶּ֙לֶךְ֙	राजा	H4428
וְהַשָּׂרִ֔ים	और-हाकिमों-के	H8269
לֹ֤א	नहीं	H3808
עַל־	केवल	
הַמֶּ֙לֶךְ֙	राजा-का	H4428
לְבַדּ֔וֹ	केवल	H0905
עָוְתָ֖ה	अपराध-किया-है	
וַשְׁתִּ֣י	वशती	H2060
הַמַּלְכָּ֑ה	रानी-ने	H4436
כִּ֣י	बल्कि	
עַל־	साथ-ही	
כָּל־	सब	H3605
הַשָּׂרִים֙	हाकिमों-का	H8269
וְעַל־	और	
כָּל־	सब	H3605
הָֽעַמִּ֔ים	लोगों-का	
אֲשֶׁ֕ר	जो	
בְּכָל־	सब	H3605
מְדִינ֖וֹת	प्रान्तों-में-हैं	H4082
הַמֶּ֥לֶךְ	राजा	H4428
אֲחַשְׁוֵרֽוֹשׁ׃	अहश्वेरोश-के	H0325

इस पर अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में महाराजा से ममूकान ने कहा, “महारानी वशती ने अपराध किया है। महारानी ने महाराजा के साथ—साथ सभी मुखियाओं और महाराजा क्षयर्ष के सभी प्रदेशों के लोगों के विरुद्ध अपराध किया है।

17

Hebrew	Hindi	Strong
כִּֽי־	क्योंकि	
יֵצֵ֤א	फैल-जाएगी	H3318
דְבַר־	बात	H1697
הַמַּלְכָּה֙	रानी-की	H4436
עַל־	को	
כָּל־	सब	H3605
הַנָּשִׁ֔ים	स्त्रियों-को	H0802
לְהַבְז֥וֹת	ताकि-वे-तुच्छ-जानें	H0959
בַּעְלֵיהֶ֖ן	अपने-पतियों-को	H1167
בְּעֵינֵיהֶ֑ן	अपनी-दृष्टि-में	
בְּאָמְרָ֗ם	जब-वे-कहें	H0559
הַמֶּ֨לֶךְ	राजा	H4428
אֲחַשְׁוֵר֜וֹשׁ	अहश्वेरोश-ने	H0325
אָמַ֞ר	आज्ञा-दी	H0559
לְהָבִ֨יא	लाने-को	H0935
אֶת־	को	H0853
וַשְׁתִּ֧י	वशती	H2060
הַמַּלְכָּ֛ה	रानी-को	H4436
לְפָנָ֖יו	अपने-सामने	H6440
וְלֹא־	परन्तु-नहीं	H3808
בָֽאָה׃	वह-आई	H0935

मैं ऐसा इसलिये कहता हूँ कि दूसरी स्त्रियाँ जो महारानी वशती ने किया है, उसे जब सुनेंगी तो वे अपने पतियों की आज्ञा मानना बंद कर देंगी। वे अपने पतियों से कहेंगी, ‘महाराजा क्षयर्ष ने महारानी वशती को अपने पास लाने की आज्ञा दी थी किन्तु उसने आने से मना कर दिया।’

18

Hebrew	Hindi	Strong
וְֽהַיּ֨וֹם	और-आज-ही-के-दिन	H3117
הַזֶּ֜ה	इसी	H2088
תֹּאמַ֣רְנָה ׀	कहेंगी	H0559
שָׂר֣וֹת	कुलीन-स्त्रियाँ	H8282
פָּֽרַס־	फ़ारस	H6539
וּמָדַ֗י	और-मादी-की	H4074
אֲשֶׁ֤ר	जिन्होंने	
שָֽׁמְעוּ֙	सुना-है	H8085
אֶת־	को	H0853
דְּבַ֣ר	बात	H1697
הַמַּלְכָּ֔ה	रानी-की	H4436
לְכֹ֖ל	सब	H3605
שָׂרֵ֣י	हाकिमों-को	H8269
הַמֶּ֑לֶךְ	राजा-के	H4428
וּכְדַ֖י	और-ऐसे-बहुत-होगी	H1767
בִּזָּי֥וֹן	अपमान	H0963
וָקָֽצֶף׃	और-क्रोध	

“आज फारस और मादै के मुखियाओं की पत्नियों ने, रानी ने जो किया था, सुन लिया है और देखो अब वे स्त्रियाँ भी जो कुछ महारानी ने किया है, उससे प्रभावित होंगी। वे स्त्रियाँ राजाओं के महत्वपूर्ण मुखियाओं के साथ वैसा ही करेंगी और इस तरह बहुत अधिक अनादर और क्रोध फैल जायेगा।

19

Hebrew	Hindi	Strong
אִם־	—	
עַל־	—	
הַמֶּ֣לֶךְ	राजा-को	H4428
ט֗וֹב	अच्छा-लगे	H2895
יֵצֵ֤א	निकले	H3318
דְבַר־	आज्ञा	H1697
מַלְכוּת֙	राजकीय	H4438
מִלְּפָנָ֔יו	उसकी-ओर-से	H6440
וְיִכָּתֵ֛ב	और-लिखी-जाए	H3789
בְּדָתֵ֥י	व्यवस्थाओं-में	H1881
פָֽרַס־	फ़ारसियों	H6539
וּמָדַ֖י	और-मादियों-की	H4074
וְלֹ֣א	ताकि-नहीं	H3808
יַעֲב֑וֹר	बदली-जाए	
אֲשֶׁ֨ר	कि	
לֹא־	फिर-नहीं	H3808
תָב֜וֹא	आए	H0935
וַשְׁתִּ֗י	वशती	H2060
לִפְנֵי֙	के-सामने	H6440
הַמֶּ֣לֶךְ	राजा	H4428
אֲחַשְׁוֵר֔וֹשׁ	अहश्वेरोश-के	H0325
וּמַלְכוּתָהּ֙	और-उसका-राजकीय-पद	H4438
יִתֵּ֣ן	दे	H5414
הַמֶּ֔לֶךְ	राजा	H4428
לִרְעוּתָ֖הּ	दूसरी-को	H7468
הַטּוֹבָ֥ה	उत्तम	
מִמֶּֽנָּה׃	उससे	

“सो यदि महाराजा को अच्छा लगे तो एक सुझाव यह है: महाराजा को एक राज—आज्ञा देनी चाहिए और उसे फारस तथा मादै के नियम में लिख दिया जाना चाहिए फारस और मादै का नियम बदला तो जा नहीं सकता है। राजा की आज्ञा यह होनी चाहिये कि महाराजा क्षयर्ष के सामने वशती अब कभी न आये। साथ ही महाराजा को रानी का पद भी किसी ऐसी स्त्री को दे देना चाहिए जो उससे उत्तम हो।

20

הִיא	רַבָּה	כִּי	מַלְכוּתּוֹ	בְּכָל־	יַעֲשֶׂה׀	אֲשֶׁר־	הַמֶּלֶךְ	פִּתְגָם	וְנִשְׁמַע׃
वह	बड़ा-है	क्योंकि	अपने-राज्य-में	सारे	वह-करेगा	जो	राजा-की	आज्ञा	और-जब-सुनाई-जाए
H1931			H4438	H3605			H4428	H6599	H8085

קָטָן׃	וְעַד־	לְמִגָּדוֹל	לְבַעְלֵיהֶן	יִקְרוּ׀	יִתְּנוּ	הַנָּשִׁים	וְכָל־
छोटे	और-तक	बड़े-से	अपने-पतियों-को	सम्मान	दे-गी	पत्नियाँ	और-सब
	H5704		H1167	H3366	H5414	H0802	H3605

फिर जब राजा की यह आज्ञा उसके विशाल राज्य के सभी भागों में घोषित की जायेगी तो सभी स्त्रियाँ अपने पतियों का आदर करने लगेंगी। महत्वपूर्ण से महत्वपूर्ण और साधारण से साधारण सभी स्त्रियाँ अपने पतियों का आदर करने लगेंगी।”

21

מְמוּכָן׃	כִּדְבַר	הַמֶּלֶךְ	וַיַּעַשׂ	וְהַשָּׂרִים	הַמֶּלֶךְ	בְּעֵינֵי	הַדָּבָר	וַיִּיטַב׀
ममूकान-के	वचन-के-अनुसार	राजा-ने	और-किया	और-हाकिमों-की	राजा-की	दृष्टि-में	यह-उत्तर	और-अच्छा-लगा
H4462	H1697	H4428		H8269	H4428		H1697	H3190

इस सुझाव से महाराजा और उसके बड़े—बड़े अधिकारी सभी प्रसन्न हुए। सो महाराजा क्षयर्ष ने वैसा ही किया जैसा ममूकान ने सुझाया था।

22

וּמְדִינָה׀	מְדִינָה	אֶל־	הַמֶּלֶךְ	מְדִינוֹת	כָּל־	אֶל־	סְפָרִים׀	וַיִּשְׁלַח	
और-प्रत्येक-प्रान्त-में	प्रत्येक	को	राजा-के	प्रान्तों-में	सब	को	पत्र	और-उसने-भेजे	
H4082	H4082	H0413	H4428	H4082	H3605	H0413		H7971	

כָּל־	לִהְיוֹת	כִּלְשׁוֹנוֹ	וְעָם	עַם	וְאֶל־	כִּכְתָבָהּ	
प्रत्येक	कि-हर-एक	उनकी-अपनी-भाषा-में	और-प्रत्येक-लोगों-को	लोगों	और-प्रत्येक-को	उसकी-अपनी-लिपि-में	
H3605	H1961	H3956			H0413	H3791	

פ	עַמּוֹ׃	כִּלְשׁוֹן	וּמְדַבֵּר	בְּבֵיתוֹ	שֹׂרֵר	אִישׁ	
प	अपने-लोगों-की	भाषा-में	और-बोले	अपने-घर-में	स्वामी-हो	पुरुष	
		H3956	H1696		H8323	H0376	

महाराजा क्षयर्ष ने अपने राज्य के सभी भागों में पत्र भिजवा दिये। हर प्रांत में जो पत्र भेजा गया, वह उसी प्रांत की भाषा में लिखा गया था। हर जाति में उसने वह पत्र भिजवा दिया। यह पत्र उनकी अपनी भाषा में ही लिखे गये थे। जन सामान्य की भाषा में उन पत्रों में घोषित किया गया था कि अपने—अपने परिवार का हर व्यक्ति शासक है।